7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 सपा सांसद डिम्पल यादव गोरखपुर पहुंची पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों के निधन पर जताया शोक

5 लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी में खपाया जा रहा चीन का सोना

8 वैभव के तूफान में उड़ा इंग्लैंड

UPHIN51019 | वर्ष: 03, अंक: 02 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 07 जुलाई,2025

मोदी ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद–बिसेसर से मुलाकात की

प्रधानमंत्री कमला ने स्वागत भाषण में पढ़ी पीएम मोदी की कविता

तारीफ में जमकर पढ़े कसीदे

दिल्ली,एजेंसी। यह प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का त्रिनिदाद एंड टोबैगो का पहला दौरा है और 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का इस कैरिबियाई देश का पहला द्विपक्षीय दौरा है। पीएम मोदी की यह यात्रा त्रिनिदाद एंड टोबैगो की प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे। उन्होंने यहां त्रिनिदाद एंड टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद–बिसेसर से मुलाकात की। इस दौरान एक खास पल भी आया, जब पीएम कमला ने पीएम मोदी की किताब 'आंख आ धन्य छे' में प्रकाशित एक कविता का जिक्र किया। कमला ने इस कविता के जरिए भारत और कैरेबियाई देश के बीच स्थायी रिश्ते को दर्शाया। उन्होंने पीएम मोदी के भारतीय प्रवासियों के साथ गहरे भावनात्मक संबंधों को बयां करने का प्रयास किया।

12 साल पहले गोरखपुर में DIG थे

ADG बनकर लौटे – NCB में भी दे चुके हैं सेवाएं

एडीजी अशोक मुथा जैन

गोरखपुर,संवाददाता। अशोक मुथा जैन की नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कौशल के कारण उन्हें 1 जनवरी 2022 को अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) के पद पर पदोन्नत किया गया। 11 मार्च 2024 को उन्हें एडीजी/पीएसआर और पीबी उत्तर प्रदेश के पद पर नियुक्त किया गया, जहां से उन्होंने लखनऊ में अपनी सेवाएं जारी रखीं। अब गोरखपुर जोन के एडीजी के तौर पर इनकी तैनाती की गई है।

यूपी में तीन आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। मुथा अशोक जैन को गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। वह अभी तक भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे। 2013 में वो गोरखपुर के डीआईजी भी रह चुके हैं।

गोरखपुर में अभी तक एडीजी रहे डॉ के एस प्रताप कुमार को पुलिस महानिदेशक सीएमडी, पुलिस आवास निगम नियुक्त किए गए। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी अशोक मुथा जैन ने अपने कार्यकाल में बेहतरीन प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है।

आनलाइन ट्रेडिंग का जाल

गोरखपुर ,संवाददाता। सूत्रों के मुताबिक, खाता खुलवाने वाले युवकों को 10 से 15 हजार रुपये देकर धंधेबाजा अपना रैकेट संचालित कर रहे हैं। खाता खोले जाने और उसमें रुपये आने के बीच इन युवाओं को लुभाने के लिए ये धंधेबाज उन्हें साथ लेकर नेपाल या उत्तराखंड घूमने चले जाते हैं।

रुपये आते ही इनके खातों से निकासी कर लेते हैं। इनके इस अपराध के तरीकों पर केंद्रीय एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग में धंधेबाजों ने तगड़ी सेंध लगा दी है। वे कम उम्र खासकर बेरोजगार युवाओं को लालच देकर लोगों को तो झटका दे ही रहे हैं, सरकार के राजस्व को तगड़ा चूना लगा रहे हैं।

धंधेबाज, बेरोजगार युवाओं के खाते बैंक में खुलवा रहे हैं और इसमें हवाला के साथ काले धन को मंगवाकर मोटी कमाई कर रहे हैं।

हिन्दू पक्षकारों को झटका

दगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से कोर्ट का इनकार

प्रयागराज,संवाददाता। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इनकार कर दिया। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इनकार कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से हिंदू पक्षकारों को झटका लगा है। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दी श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही निर्णय के लिए चार जुलाई की तारीख नियत की थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मांग की है कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित किया जाए, जैसा कि बाबरी मस्जिद प्रकरण में किया गया था। साथ ही दावा किया था कि मथुरा की शाही मस्जिद भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह को तोड़कर ही बनाई गई है। हालांकि हिंदू पक्ष की इस मांग पर मुस्लिम पक्ष ने विरोध जताया था। साथ ही कोर्ट में लिखित आपत्ति भी दाखिल की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की कोर्ट ने शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि

हाईवे पर खड़ी ट्रकों से करते थे चोरी

जुटाते थे जानकारी– 4 गिरफ्तार

संत कबीर नगर,संवाददाता। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने बताया कि एसपी संदीप कुमार मीना के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा था। इसमें कोतवाली खलीलाबाद के उपनिरीक्षक मनीष जायसवाल, मोतीलाल यादव, हरिकेश भारती की टीम ने एक पिकप पर सवार चार लोगों को मंझरिया के पास दबोचा। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस की टीम ने हाईवे पर खड़ी ट्रकों से चोरी करने वाली गैंग के चार सदस्यों को धर दबोचा। इनमें पास से चोरी का 50 लीटर डीजल के साथ ही चोरी करने में प्रयोग होने वाले सामान व नकद रुपए भी बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने बताया कि एसपी संदीप कुमार मीना के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा था। इसमें कोतवाली खलीलाबाद के उपनिरीक्षक मनीष जायसवाल, मोतीलाल यादव, हरिकेश भारती की टीम ने एक पिकप पर सवार चार लोगों को मंझरिया के पास दबोचा।

इन आरोपियों के पास से एक पिकप गाड़ी, 1 गैलन में 50 लीटर डीजल, 50 लीटर का दो खाली गैलन, 1 प्लास्टिक का पाइप, एक सलाई रिंच व 4100 रुपए नकद बरामद किए गए। पकड़े गए अभियुक्तों को पुलिस ने विभिन्न मामलों में जेल भेज दिया है। गिरोह के इन सदस्यों के मुखिया दयानन्द शर्मा ने बताया कि जब उन्हें किसी ट्रक को निशाना बनाना होता था तब वह ट्रकों को चिन्हित करते थे। इसके बाद उसके ड्राइवर की रेकी की जाती थी। गिरोह का एक सदस्य ड्राइवर और खलासी के पीछे हो लेता था। जब वह देखता था कि खाने – पीने के बाद वह सो गए हैं, या फिर लापरवाह हो गया है, इसके बाद तीन साथी मात्र दो से तीन मिनट में ही माल अपनी पिकप पर लादते और गायब हो जाते थे।

गोरखपुर नगर निगम लाएगा 100–150 करोड़ का म्यूनिसिपल बांड

गोरखपुर,संवाददाता। नगर निगम शहर के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए 100 से 150 करोड़ रुपये का म्यूनिसिपल बांड जारी करने जा रहा है। बृहस्पतिवार को इसके लिए गठित समिति की पहली बैठक हुई। निगम अपनी संपत्तियों का आकलन कर बैलेंस शीट तैयार करेगा और दिसंबर 2025 तक आवेदन प्रक्रिया पूरी कर जनवरी 2026 में बांड को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध करेगा। पिछले वित्तीय वर्ष में निगम ने संपत्ति कर और अन्य स्रोतों से रिकॉर्ड 110 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस मजबूत वित्तीय स्थिति के आधार पर निगम 150 करोड़ तक का बांड लाने के लिए संभावनाएं तलाश रहा है।

नीला ड्रम या बक्सा: गोरखपुर में खरीदने निकले...

गोरखपुर,संवाददाता। दुकान से यदि कोई नीला ड्रम लेकर जाता है तो रास्ते में लोग शक की निगाह से देखते हैं। दुकानदार अमित ने बताया कि एक बार तो एक पति–पत्नी ड्रम खरीदने आए थे। खरीदने के बाद वह ई–रिक्शा खोजने लगे। ड्रम का नाम सुनने के बाद रिक्शा वाले ने उसे ले जाने से मना कर दिया। काफी देर बाद वह ऑटो खोजकर लाए और उससे ड्रम को ले गए। मेरठ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम और बक्सा देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। बाजार से यदि कोई नीला ड्रम खरीदकर ले जाता है तो लोग उसे शक की निगाहों से देखते हैं। वहीं, दुकानदार भी पूछ देते हैं कि ड्रम क्यों चाहिए। मेरठ में मुस्कान ने प्रेमी संग मिलकर पति सौरभ की हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके शरीर के टुकड़े कर ड्रम में भर दिया था। इसके बाद से ही पूरे देश में इस मामले की चर्चा होने लगी थी। गोरखपुर में भी अब दुकानदार नीला ड्रम बेचने से पहले एक बार ग्राहक से जरूर पूछ रहे हैं कि वे इसे किस काम के लिए लेकर जा रहे हैं। यदि ड्रम खरीदने कोई महिला आ रही है तब तो वे भी थोड़े सहम जा रहे कि ये महिला ड्रम का क्या करेगी। ड्रम के साथ ही बक्से की भी चर्चा है। बक्से में शव भरकर फेंकने के भी कई मामले आ चुके हैं। ड्रम बेचने वाले दुकानदार विपिन ने बताया कि मेरठ हत्याकांड के बाद ड्रम खरीदने आ रहे ग्राहकों से बात–बात में ही पूछते हैं कि वह इसे किस काम के लिए लेकर जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पानी भरने के लिए अलग और सामान रखने के लिए अलग ड्रम उपलब्ध है। इसका रेट 900 से 1500 रुपये तक है। कुछ लोग तुरंत बोल देते हैं कि उन्हें पानी भरने के लिए चाहिए।

सम्पादकीय

नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव

अरुण श्रीवास्तव 4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में दशहरा के दिन अपना शताब्दी वर्ष मनायेगा। अधिकांश संगठन तो अपनी शताब्दी के करीब पहुंचने से पहले ही पतन की ओर अग्रसर हो जाते हैं या यहां तक कि विघटित हो जाते हैं। परन्तु आरएसएस अपनी राजनीतिक शाखा भाजपा के माध्यम से भारत पर शासन कर रहा है। शेक्सपियर लेकिन शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर इसके सरसंघचालक मोहन भागवत ने विडंबनापूर्वक संगठन पर अपना अधिकार और नियंत्रण खो दिया है। जहां पिछले सरसंघचालकों के शब्दों को भगवा पारिस्थितिकी तंत्र ने आज्ञाओं की तरह माना, वहीं शताब्दी वर्ष में भागवत के उपदेशों को कोई नहीं मानता। यह अब कोई रहस्य नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जानबूझ कर और योजनाबद्ध तरीके से उनकी छवि और विश्वसनीयता को कम किया है। अपने शासन के ग्यारह वर्षों के दौरान, आरएसएस प्रचारक मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में भागवत से केवल एक बार मुलाकात की। इसका मतलब साफ है कि उन्होंने भागवत के सुझावों और सलाह की परवाह नहीं की। आरएसएस और खासकर भागवत भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन मोदी का उनके निर्देश की अनदेखी करना उनके तिरस्कार का स्पष्ट प्रमाण है। जनजागरुकता वास्तव में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 2024 में ही लोकसभा चुनाव से काफी पहले यह कहकर इस अनादर को प्रकट कर दिया था कि 'भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं हैच्य। जब से नड्डा ने 2023 में अपना कार्यकाल पूरा किया है, तब से भागवत पार्टी प्रमुख के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन नड्डा की औपचारिक सेवानिवृत्ति के ढाई साल बाद भी, उनका भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य करना जारी है। कारण साफ है। मोदी को एक ऐसे अनुचर की जरूरत है जो उनके आदेशों का पालन करे। उन्हें समानांतर सत्ता केंद्र पसंद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता उनके वर्चस्व के लिए संभावित खतरा साबित हो सकते हैं। यही कारण है कि मोदी जानबूझ कर उनकी दलीलों को नजरंदाज कर रहे हैं। मोदी गोवा में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में जब मोदी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया था, तब भगवा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मोदी की राष्ट्रीय अपील और लोकप्रियता नहीं थी। लालकृष्ण आडवाणी के साथ भागवत ने उन्हें आगे बढ़ाया। निर्वाचित होने के बाद मोदी का पहला काम आडवाणी को अलग–थलग करना और उन्हें निष्क्रिय बनाना था। लेकिन उस समय भागवत को हटाने या अलग–थलग करने की हिम्मत वे नहीं कर पाये, क्योंकि वे आरएसएस प्रमुख थे। एक सुनियोजित चाल के तहत उन्होंने उन्हें नजरंदाज करना शुरू कर दिया, जिससे यह संदेश गया कि भागवत भाजपा के लिए किसी काम के नहीं हैं। मोदी ने भगवा पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर सफलतापूर्वक ऐसी स्थिति बना दी, जहां भागवत की सलाह अवांछित थी। 2023 में ही आरएसएस के कई शीर्ष नेताओं ने भागवत को आगाह किया था और उनसे सख्ती बरतने को कहा था। लेकिन उन्होंने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की। मोदी जहां खुद को भाजपा और भारत के लिए राजनीतिक रूप से अपरिहार्य साबित करने पर तुले हुए हैं, वहीं भागवत हिंदू और हिंदुत्व की राजनीति को बढ़ावा देने में आरएसएस की अजेयता को प्रदर्शित करने का प्रयास कर रहे हैं। तेजस्वी के तीखे तेवर और 'वक्फ' पर ज़ोर पकड़ती चुनावी सियासत इसे समझने के लिए हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों के विश्लेषण से अधिक उपयुक्त तरीका और कुछ नहीं हो सकता। जहां मोदी और उनके सहयोगियों ने इन राज्यों में भाजपा की जीत को मोदी के करिश्मे से जोड़ा, वहीं आरएसएस ने दावा किया है कि इन चुनावी जीत का श्रेय आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जाता है। मोदी और भागवत के बीच ताजा सत्ता संघर्ष बिहार की मतदाता सूची संशोधन के मामले में सामने आया है। आरएसएस ने मोदी के कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं किया है, लेकिन वह इसका समर्थन भी नहीं करता है। मोदी ने पहले ही बिहार में इस योजना को बड़े जोर–शोर से शुरू कर दिया है। आरएसएस नेताओं के अनुसार भी इस कदम का शिकार ईबीसी और दलितों की बड़ी आबादी होगी, जो आरएसएस के निशाने पर हैं। यह लगातार इन वर्गों को यह विश्वास दिलाता रहा है कि वे हिंदू हैं। गांवों में जाकर गणना करने वाले लोग उनके मूल निवासी होने के दावों के प्रमाण के रूप में मूल जन्म प्रमाण पत्र मांग रहे हैं। यह एक खुला रहस्य है कि इनमें से एक बड़ी आबादी के पास अपनी पहचान साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। जाहिर है कि उन्हें अपनी राष्ट्रीय पहचान खोने का खतरा है। एक बार जब उन्हें राष्ट्रीयता से वंचित कर दिया जाता है, तो उन्हें वोट देने का अधिकार भी स्वतः ही छीन लिया जायेगा। यह स्पष्ट है कि मोदी अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए ऐसा कर रहे हैं। हाल ही में हुए चुनावों में उनकी निष्ठा बदली हुई, इंडिया ब्लॉक के पक्ष में दिखी जिससे मोदी को यह कड़ा संदेश गया है कि दलित और ईबीसी उन्हें पसंद नहीं करते हैं। मोदी का यह चुनावी कदम उन्हें मध्यम वर्ग पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और उनके बीच अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में मदद करेगा। लेकिन इससे आरएसएस के राजनीतिक हित खतरे में पड़ जायेंगे, जो उन्हें हिंदू के रूप में पहचानने की कोशिश कर रहा है। इसका भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आरएसएस की योजना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

लंबी विदेश यात्रा पर मोदी

एक महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री मोदी फिर से विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। इस बार घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया इन पांच देशों की यात्रा श्री मोदी कर रहे हैं, जो 8 दिनों की होगी। हमेशा की तरह इस बार भी सरकारी बयान में बताया गया है कि विदेश यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करना है । एक महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री मोदी फिर से विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। इस बार घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया इन पांच देशों की यात्रा श्री मोदी कर रहे हैं, जो 8 दिनों की होगी। हमेशा की तरह इस बार भी सरकारी बयान में बताया गया है कि विदेश यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करना है। भारतीय प्रधानमंत्री इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आपसी सहयोग और विकास पर चर्चा करेंगे। इसमें कुछ नया नहीं है, हमेशा यही तो होता है कि दूसरे राष्ट्राध्यक्षों से श्री मोदी की हाथ मिलाते, गले मिलते, सौहार्द्रपूर्ण माहौल में हंसते–मुस्कुराते चर्चा करते और विभिन्न करारों पर हस्ताक्षर करते तस्वीरें आती हैं। देश को बताया जाता है कि दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। भारत को विकसित करने के लिए सारे देश मदद कर रहे हैं। लेकिन इन तस्वीरों की हकीकत तब समझ आती है, जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी बड़े से भारतीय प्रतिनिधिमंडल को अलग–अलग देशों में अपना पक्ष रखने के लिए भेजना पड़ता है। विदेश नीति की परीक्षा पहलगाम हमले या ऑपरेशन सिंदूर जैसी असामान्य स्थितियों में ही होती है, और इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना ही चाहिए कि इस परीक्षा में मोदी सरकार बुरी तरह विफल रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम को लेकर हो रहे बेहूदे दावे थम ही नहीं रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी ने खुद इन दावों को खारिज नहीं किया है तो अब तक भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी सफाई देनी पड़ रही है। अभी विदेश मंत्री एस जयशंकर से अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक के लिए हो रहे एक साक्षात्कार में फिर यह सवाल पूछा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार कहा है कि 'संघर्ष को रोकने के लिए व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया गया। क्या इससे व्यापार समझौते की बातचीत पर कोई असर पड़ा हैच्य इस सवाल से साफ समझ आता है कि ट्रंप के दावे को अब दुनिया भी मान रही है। अगर श्री मोदी ने पहले ही बार में इस पर आपत्ति जताई होती तो शायद इस तरह के सवाल नहीं उठते। लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं और विदेश मंत्री सफाई दे रहे हैं कि 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था तो वह भी उसी कमरे में मौजूद थे। जयशंकर ने कहा कि तब प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पाकिस्तान की धमकियों से डरेगा नहीं बल्कि इसका जवाब देगा। सोचने वाली बात यह है कि जो बयान भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री पहले दे चुके हैं, जिसे अभी विदेश मंत्री एस.जयशंकर भी कह रहे हैं, उस बात को अब तक प्रधानमंत्री मोदी अपने मुंह से क्यों नहीं बोलते। आखिर किसने उनके मुंह पर चुप की उंगली रखी है। क्या लंबी–लंबी विदेश यात्राओं से ये उंगली हटेगी या मुंह पर ताले और बढ़ेंगे। अभी कनाडा में जी–7 की बैठक में श्री मोदी शामिल हुए थे, और पखवाड़े बाद ही अब ब्रिक्स सम्मेलन के लिए वे रवाना हुए हैं। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंचों का इस्तेमाल सभी देश अपनी स्थिति बेहतर बनाने के लिए करते हैं, हालांकि इनमें असली जोर व्यापार का होता है, क्योंकि इस समय पूरी वैश्विक राजनीति कारोबारी हितों के इर्द–गिर्द घूम रही है। ऐसे में श्री मोदी की मौजूदा यात्रा में भी व्यापार को बढ़ाने के संकेत अलग–अलग तरीकों से दिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले घाना जाएंगे और यात्रा के अंतिम चरण में स्वदेश वापसी के समय नामीबिया जाएंगे। ये सारे देश अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी हैं और कहा जा रहा है कि इससे ग्लोबल साउथ के भारतीय एजेंडे को नई धार मिल सके। बता दें कि ग्लोबल साउथ शब्द पहली बार 1969 में राजनीतिक कार्यकर्ता कार्ल ओग्लेसबी ने इस्तेमाल किया था। इसमें अमूमन वही सारे देश हैं, जिन्हें तीसरी दुनिया के देश कहा जाता है। दुनिया के उत्तरी हिस्से में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप के देशों से अलग दक्षिण हिस्से में आने वाले अफ्रीकी, द.अमेरिकी और कई एशियाई देशों को ग्लोबल साउथ के तहत रखा जाता है। इनकी चिंताएं और सरोकार लगभग एक जैसे हैं। हालांकि इनमें चीन का दबदबा है और वहीं आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों का रुख भी कई बार ग्लोबल नार्थ की तरफ ही दिखाई देता है। ऐसे में ग्लोबल साउथ के बैनर तले जो नयी वैश्विक व्यवस्था बनाने की कोशिश चल रही है, वह कितनी कारगर होगी, कहा नहीं जा सकता। वैसे अभी श्री मोदी जिन देशों में जा रहे हैं, या ग्लोबल साउथ में जो देश आते हैं, उनसे भारत के संबंध पहले ही अच्छे रहे हैं। इन सभी देशों में प.नेहरू की बनाई विदेश नीति के कारण ही भारत की साख मजबूत बनी हुई है। अगर इसी विदेश नीति पर मोदी सरकार चलती रहती तो फिर इतनी विदेश यात्राओं के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन जुटाने के लिए भारत को जद्दोजहद नहीं करनी पड़ती। मोदीजी वैसे ब्रिक्स सम्मेलन के अलावा श्री मोदी की मौजूदा यात्रा का बड़ा मकसद व्यापार को बढ़ाना ही दिख रहा है। घाना पश्चिमी अफ्रीका की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। घाना से भारत में होने वाले आयात में 70 प्रतिशत से ज्यादा सोना होता है। घाना के लिए भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश है। घाना से श्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे, इस कैरेबियाई क्षेत्र में भारतीय मूल के 40–45प्रतिशत लोग रहते हैं। भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच आर्थिक संबंध बहुत ही ज्यादा मजबूत हुए हैं।

भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया

सर्वमित्रा सुरजन भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया, इस बारे में भी योगी बंदर ने बताया है कि हमारे पास डेटा ही नहीं है, सारा डेटा यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक के पास है। अमेरिका ने चैटजीपीटी, चीन ने डीप सीक बना लिया। हमारे इंजीनियरों ने जब कू ऐप बनाया था तो उसके जरिए डेटा इक–ा हो सकता था, लेकिन उन्हें सपोर्ट नहीं मिला और चार साल में ही कू ऐप बंद हो गया। सोशल मीडिया पर रील्स, मीम्स बनाने का पागलपन, इस मंच को झूठी, नफरती खबरें फैलाने का जरिया बनाना, हर वर्ग के लोगों का अधिकाधिक वक्त सोशल मीडिया पर बीतना, इन सब बातों पर पिछले कुछ वक्त में काफी चिंता बढ़ी है। समाजशास्त्रियों के लिए यह अध्ययन का नया विषय ही बन गया है कि संचार क्रांति का यह कैसा दौर आया है, जिसमें एक के बाद एक नयी लहर उठती है। मियादी बुखार की तरह कभी भी कोई भी चीज वायरल हो जाती है। नैतिक–अनैतिक के बीच का हर अंतर सोशल मीडिया पर मिटाया जा चुका है। न किसी का लिहाज, न कोई पाबंदी, बस जिसे जो कहना है, लिखना है, दिखाना है, सुनाना है, वह अपने मन की करे। असल मायनों में मन की बात सोशल मीडिया पर चलती है। इसमें कभी कुछ ऐसा हो जाए, जिस पर बड़ा विवाद हो, तब कुछ पोस्ट्स को प्रतिबंधित किया जाता है, लेकिन तब तक उसका स्क्रीन शॉट सुरक्षित रख लिया जाता है या सामग्री ही किसी और तरीके से स्टोर कर ली जाती है। आसान शब्दों में, एक बार जो चीज सोशल मीडिया पर आ गई, उसे नष्ट करना मुश्किल होता है। सोशल मीडिया के दौर में 'बंदर लीला योगी' के वीडियो काफी वायरल हो रहे हैं। जैसा कि इसके नाम से ही जाहिर है, इसमें एक बंदर साधु या योगी की वेशभूषा में बैठा हुआ नजर आता है और उसकी लीला यह है कि यह योगी बंदर ज्वलंत सामाजिक–राजनीतिक विषयों पर धीर–गंभीर बातें करता है। देश में शिक्षा की बदहाली से लेकर टीआरपी के लिए मीडिया की उछलकूद सब पर इस योगी बंदर का ध्यान है और वह अपने भक्तों को इस पर प्रवचन देता है कि उसकी निगाह में यह सही है या गलत। शेक्सपियर एक वीडियो में कथावाचक बना बंदर कहता है, 'जिस देश में सरकारी स्कूलों की छतें टपकती हों और मंदिर सोने से जड़े हों, वो देश कभी विकसित नहीं हो सकता।

अगर मंदिरों का पैसा स्कूलों में लगाया जाए तो भारत विकसित हो सकता है, लेकिन ऐसा इसलिए नहीं होगा क्योंकि कुछ लोगों को डर है कि अगर बच्चे पढ़ गए, तो सवाल पूछेंगे। वहीं एक प्रवचन में योगी बंदर ने कहा कि 'अगर मंदिर में चढ़ाया गया पैसा भगवान का है, तो फिर वो जनता में क्यों नहीं बांटा जाता?' मीडिया के बड़े हिस्से ने जिस किस्म की रिपोर्टिंग की, उसकी धज्जियां भी योगी बंदर ने उड़ाईं हैं। इसमें उसने कहा है कि अगर सर्कस देखना हो तो बाहर मत जाना, मोबाइल पर टीवी चैनल खोल देना।

टीआरपी के लिए इतने मरे जा रहे कि हमारे सैनिक बार्डर पर खड़े हैं और ये कह रहे हैं इस्लामाबाद पर कब्जा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने मुंबई हमलों के दौरान एनएसजी की लोकेशन ब्रॉडकास्ट कर दी और कहीं न कहीं उससे आतंकवादियों को मदद मिली। वो कहते हैं कि भारत अब विकसित होने ही वाला है। अरे लोगों के पास स्कूल–कॉलेज की फीस भरने के पैसे नहीं हैं, और तुम हवा में भारत को विकसित बना रहे हो। एक अन्य वीडियो में योगी बंदर ने बताया है कि अगर श्री राम भारत के प्रधानमंत्री होते तो कैसा भारत होता। जिसमें आस्ट्रेलिया की तरह प्रदूषण मुक्त हवा होती। पुलिसवाले भाग–भागकर एफआईआर लिखते, भले सामने नेता का बेटा ही क्यों न हो। भारत का ट्रेड और एग्रीकल्चर फल फूल रहा होता। सबको समान न्याय मिलता, छुआछूत को मिटा दिया जाता, जाति को काम के आधार पर किया जाता, न कि जन्म के आधार पर। सरकारी अस्पतालों में साफ–सफाई होती। मंदिरों में भगवान का नाम लेकर साइंस और टेक्नॉलॉजी का ज्ञान साझा किया जाता। किसान खुदकुशी नहीं करते।

सात महीने से आंदोलन सरकार ने एक बार भी बात नहीं की

संवाददाता, गोरखपुर। पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध में बिजली निगम के अभियंताओं व कर्मचारियों ने बुधवार को पूरे देश में प्रदर्शन किया। उनका साथ किसान संगठनों और उपभोक्ता फोरम ने दिया। सभी ने कहा कि सात महीने से आंदोलन चल रहा है लेकिन सरकार ने एक बार भी बातचीत की पहल नहीं की है। नौ जुलाई को बिजली निगम सांकेतिक हड़ताल करेंगे। मोहद्दीपुर स्थित हाइडिल कालोनी में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पूरे देश में प्रदर्शन किया गया। निजीकरण की प्रक्रिया न सिर्फ गलत है वरन इसका फायदा भी पूंजीपतियों को छोड़कर किसी को नहीं होना है। प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के कारण बिना एक यूनिट बिजली खरीदे विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को हर वर्ष 6761 करोड़ रुपये देना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10 हजार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का अतिरिक्त भार पड़ रहा है। प्रदेश में सरकारी विभागों पर 14 हजार चार सौ करोड़ रुपये बकाया है। प्रदेश में विभिन्न सब्सिडी के कारण 22 हजार रुपये सरकार देती है। इसको घाटा बताया जा रहा ह और इसी के आधार पर निजीकरण का निर्णय लिया गया है। प्रबंधन लाखों करोड़ रुपये की निगम की संपत्तियों को कौड़ियों के भाव बेचने की कोशिश में जुटा है। निजीकरण हुआ तो बिजली प्रति यूनिट 17 रुपये तक में मिलेगी। इससे जरूरतमंद बिजली का उपभोग कर ही नहीं पाएंगे। इस दौरान जितेंद्र कुमार गुप्त, शिवम नाथ तिवारी, अमित आनंद, सौरभ श्रीवास्तव, सुधीर कुमार राव, प्रभुनाथ प्रसाद, संगम लाल मौर्य, इस्माइल खान, संदीप श्रीवास्तव, शिवम चौधरी, अमित यादव, विजय सिंह, श्याम सिंह, एनके सिंह, प्रमोद यादव, रणंजय पटेल, राकेश चौरसिया, विजय बहादुर सिंह, राजकुमार सागर, करुणेश त्रिपाठी, विमलेश पाल, जगन्नाथ यादव, ओम गुप्ता, सत्यव्रत पांडेय आदि मौजूद रहे।

सपा सांसद डिम्पल यादव गोरखपुर पहुंची पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों के निधन पर जताया शोक

गोरखपुर,संवाददाता। मीडिया से बात करते हुए सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश में महिलाओं, युवाओं समेत सभी को निराश किया है। लोगों से बीजेपी ने जो भी वादे किए थे उसे पूरा न करके उसने लोगों को निराश किया है। सपा सांसद डिंपल यादव गोरखपुर में गौरव प्रकाश की माता व महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष मीना यादव के निधन पर शोक जताने पहुँचीं। वहीं, सपा नेता आशुतोष गुप्ता के पिता व पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सतेन्द्र गुप्ता का भी निधन हुआ था, वो उनके आवास भी पहुंची।

सांसद डिंपल यादव ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किया –

डिंपल यादव, सपा सांसद ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मीडिया से बात करते हुए सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश में महिलाओं, युवाओं समेत सभी को निराश किया है। लोगों से बीजेपी ने जो भी वादे किए थे उसे पूरा न करके उसने लोगों को निराश किया है।

यही नहीं बीजेपी और उसके कार्यकर्ताओं के द्वारा विरोधी दल के नेताओं के साथ, ऐसे आचरण पेश किए जा रहे हैं, जिसका लोकतंत्र में कहीं कोई स्थान नहीं है। पिछले दिनों गोरखपुर आया समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल ऐसे ही संविधान विरुद्ध आचरण का शिकार हुआ। जबकि विरोधी दल के नेताओं को भी हक है कि वह किसी भी क्षेत्र में पीड़ित– परेशान नागरिकों का हाल जान सकें। लेकिन, गोरखपुर में उनके पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव समेत प्रतिनिधि मंडल के लोग व्यापारियों से मुलाकात करने जा रहे थे।

उनके साथ हुई घटना सविधान के विरुद्ध है।

समाजवादी पार्टी सभी का सम्मान करती है। सबको साथ लेकर चलती है। सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात कर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई।

इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम, महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, जिला महासचिव रामनाथ यादव, अवधेश यादव, रजनीश यादव, विजय बहादुर यादव, जफर अमीन डक्कु, मिर्जा कदीर बेग, सुनील सिंह, रवि यादव, मृत्युंजय यादव बिट्टू, आशुतोष गुप्ता, मैना भाई, अरविंद शुक्ला, गौरव प्रकाश, सन्तोष यादव,

सच्चिदानंद यादव, राहुल यादव, एहतेशाम खान, जितेंद्र श्रीवास्तव, सन्तोष गौड़, अशोक चौहान, अनुप यादव, आजम लारी, अमित शाही, फिरदौस आलम, राम आशीष यादव, गोली यादव, राजन शाही व इमरान खान आदि मौजूद रहे।

लोकार्पण के बाद आयुष विश्वविद्यालय में बढ़ी रोगियों की संख्या

गोरखपुर के गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई। लोकार्पण के दूसरे दिन ही लगभग 500 रोगी पंजीकृत हुए। कुलपति ने मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। होम्योपैथी ओपीडी में नेपाल से भी मरीज पहुंचे। रोगियों की संख्या को देखते हुए दवा वितरण कक्ष में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई है।

संवाददाता, भटहट। गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में बुधवार को रोगियों की संख्या बढ़ गई। लोकार्पण के दूसरे दिन पहुंचे लोगों को देखकर कर्मचारियों ने अलग– अलग विभागों में बैठने का प्रबंध किया। दोपहर में ओपीडी का समय समाप्त होने के पहले ही लगभग पांच सौ लोगों का पंजीकरण हो गया। दूसरी पाली में देर शाम तक रोगी देखे गए। इसके पूर्व लगभग साढ़े तीन सौ से चार सौ रोगी ही पहुंचते थे।

कुलपति डा. के रामचंद्र रेड्डी ने भ्रमण करके व्यवस्था की जानकारी ली। हर रोगी को निश्शुल्क दवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में बाहर की दवा नहीं लिखी जाएगी। आयुष विश्वविद्यालय का विधिवत लोकार्पण मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया है। इसके बाद दूसरे दिन बुधवार से ही आयुष विश्वविद्यालय तीव्र गति से अपने लक्ष्य की ओर चल पड़ा। थम– थम कर हो रही वर्षा के बीच आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी विधा से उपचार के लिए लगभग पांच सौ रोगी पहुंचे। डाक्टर रमाकांत द्विवेदी ने बताया कि पुराने रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ओपीडी प्रभारी डाक्टर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि 60 प्रतिशत रोगी, बीमारी में सुधार होने पर लगातार फालोअप में आ रहे हैं। होम्योपैथी ओपीडी में बुधवार को छह रोगी नेपाल से पैरालिसिस का उपचार कराने पहुंचे। इसमें तीन पुराने तो तीन नए शामिल रहे। दूसरी पाली के ओपीडी में रोगी देख रही डाक्टर लक्ष्मी अग्निहोत्री ने बताया कि पहले दिन पचास से अधिक रोगी आए हैं। अधिक संख्या होने की वजह से आयुर्वेद के दवा वितरण कक्ष में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग भी उठी है। कुलपति डा. के. रामचंद्र रेड्डी ने बताया कि जल्द ही चिकित्सक व कर्मचारियों की संख्या बढ़ जाएगी। इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

लूट के आरोपी संग पुलिस की मुठभेड़ घायल– मंगलसूत्र, बाली और तमंचा बरामद

गोरखपुर,संवाददाता। जटेपुर उत्तरी मोहल्ले में कुछ दिनों पहले बुजुर्ग महिला के साथ लूट की वारदात हो गई थी। घर के सामने टहलते समय बाइक सवार बदमाश ने पहले धक्का देकर गिरा दिया। जब तक कुछ समझ पाती गले से सोने की चेन व कान की बाली जबरदस्ती खींच ली।शाहपुर पुलिस ने बुधवार की रात नवल्स एकेडमी के पास मुठभेड़ में लूट के आरोपी सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया। शाहपुर और चिलुआताल इलाके में लूट की घटना में वह वांछित था। उसने पुलिस पर फायरिंग भी की। बचाव में पुलिस टीम ने फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है।

आरोपी के पास से लूट का मंगलसूत्र, कान की बाली और तमंचा भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर के जटेपुर उत्तरी मोहल्ले में कुछ दिनों पहले बुजुर्ग महिला के साथ लूट की वारदात हो गई थी। घर के सामने टहलते समय बाइक सवार बदमाश ने पहले धक्का देकर गिरा दिया। जब तक कुछ समझ पाती गले से सोने की चेन व कान की बाली जबरदस्ती खींच ली। भागते वक्त उसने महिला को गंभीर चोट पहुंचाई। चिलुआताल इलाके में भी लूट की घटना में वह सद्दाम वांछित था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से उसकी तलाश कर रही थी। बुधवार की रात करीब दो बजे रेल विहार के नवल्स एकेडमी के पीछे शाहपुर पुलिस से मुठभेड़ हो गई।

चौरीचौरा डबल मर्डर केस

मुख्य आरोपी संजय को मिली जमानत

गोरखपुर,संवाददाता। चौराचौरी डबल मर्डर केस में मुख्य आरोपी संजय उर्फ शैलेंद्र को बुधवार को सिविल कोर्ट ने जमानत दे दी। संजय की पत्नी रीना देवी का कहना है संजय पूरी तरह निर्दोष है। इसके बाद भी वह 90 दिन से जेल में है। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के शिवपुर चकदह गांव में मां बेटी की रात में सोते समय हत्या के 90 दिन बाद भी पुलिस चार्जशीट नहीं दाखिल कर पाई। इस कारण मुख्य आरोपी संजय उर्फ शैलेंद्र को बुधवार को सिविल कोर्ट ने जमानत दे दी। 29 मार्च की देर रात करीब 1:30 बजे मां–बेटी पूनम (45) और उनकी बेटी अनुष्का (13) की गड़ासे से मारकर हत्या की गई थी। सूचना पर पहुंची चौरीचौरा पुलिस ने घटना स्थल पर छानबीन की थी। तब पूनम का एंड्रॉयड मोबाइल वहां नहीं मिला था।

जांच में पता चला था कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पूनम का मोबाइल लेकर भाग गए थे। घटना के समय आरोपियों ने पूनम की बड़ी बेटी खुशबू को दूसरे कमरे में बंद कर दिया था। खुशबू ने अपने कमरे की दरवाजे के छेद से आरोपियों को देखा था। उसकी तहरीर पर चौरीचौरा पुलिस ने केस दर्ज किया था। महिला की बेटी खुशबू की तहरीर पर गांव के ही कोटेदार संजय उर्फ शैलेंद्र व उसके पिता और भाई के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। शैलेंद्र को घटना के बाद ही घर से सोते समय गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जमानत के बाद संजय के घर में खुशी

संजय उर्फ शैलेंद्र कुमार की जमानत याचिका मंजूर की होने की सूचना जब परिजनों को मिली तो घर में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार वालों का कहना है कि तीन महीने से वह जेल में हैं। कोई भी सही से भोजन नहीं कर रहा था। बच्चे भी पिता को याद करके दुखी हो रहे थे। संजय की पत्नी रीना देवी का कहना है संजय पूरी तरह निर्दोष है। इसके बाद भी वह 90 दिन से जेल में है। संजय के अधिवक्ता नीरज शाही ने कहा कि पुलिस भी इस केस में चार्जशीट नहीं दाखिल कर पाई। नियम के अनुसार कोर्ट में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र डाला था। कोर्ट ने उसको संज्ञान लेकर संजय की जमानत मंजूर कर ली है। सीओ चौरीचौरा अनुराग सिंह ने कहा कि जांच चल रही है। अभी चार्जशीट दाखिल नहीं हो पाई है। पुलिस टीम जांच में लगी है।

मौसी के घर रह रही खुशबू

खुशबू निषाद का कहना है कि घटना को तीन महीने हो चुके हैं। सभी सबूत भी पुलिस के पास है लेकिन वह घटना का खुलासा नहीं कर रही। बताया कि सब लोग काफी डरे और सहमे हुए हैं। हम लोगों को जान का खतरा है इसीलिए गांव छोड़ दिए हैं। अब अपने मौसी के साथ रहती हूं।

नार्को टेस्ट कराने की तैयारी

पुलिस मामले में दूसरे के शामिल होने का अंदेशा जताते हुए चार लोगों को संदिग्ध मान रही है। पुलिस चारों संदिग्धों का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी में है।

माफिया विनोद के भाई संजय ने कोर्ट में किया सरेंडर

इस मामले में था 'वांटेड', 20 हजार ईनामी भी

शाहपुर में 18 फरवरी को प्रॉपर्टी डीलर अंकु शुक्ल को माफिया का भाई बनकर कॉल करके एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। इसके बाद 24 फरवरी को प्रॉपर्टी डीलर के दरवाजे पर खड़ी कार पर गोलियां चलाकर दहशत फैलाई गई थी।

गोरखपुर,संवाददाता। माफिया विनोद उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय ने मंगलवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। शाहपुर में रंगदारी और घर पर चढ़कर कार पर गोलियां चलाने के मामले में वह भागा था। उसने हाईकोर्ट में सरेंडर के लिए अर्जी दी थी, लेकिन इसके बाद पुलिस ने तलाश तेज कर दी थी। मंगलवार को वह शाहपुर पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में हाजिर हो गया।

जानकारी के अनुसार, शाहपुर में 18 फरवरी को प्रॉपर्टी डीलर अंकु शुक्ल को माफिया का भाई बनकर कॉल करके एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। इसके बाद 24 फरवरी को प्रॉपर्टी डीलर के दरवाजे पर खड़ी कार पर गोलियां चलाकर दहशत फैलाई गई थी। आरोपियों की पहचान शाहपुर चरगांवा निवासी अंकित पासवान उर्फ मंटू, अंबिका पासवान, गुलरिहा रामपुर बुजुर्ग निवासी नितिन मिश्रा, चिलुआताल के करीमनगर पोखर भिंडा निवासी साहिल अली और गुलरिहा सेमरा नंबर दो निवासी शुभम श्रीवास्तव के रूप में हुई।

पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवा दिया। इसी बीच मामले में एक और आरोपी गौरव पांडेय ने पुलिस को चकमा देकर सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। शाहपुर पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो इस प्रकरण में संजय उपाध्याय का नाम सामने आया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी थी, लेकिन वह चकमा देकर भागा फिर रहा था। इसी बीच एसएसपी ने उसपर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। उसने हाईकोर्ट में आत्मसमर्पण की अर्जी दी थी, इसके बाद पुलिस की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। वह मंगलवार को कोर्ट में हाजिर हो गया।

सीएम योगी ने कहा– पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाएं

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए।

इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

शिक्षिका को आटो चालक से हुआ लव..

पहले किया शारीरिक शोषण, अब शादी से इंकार

गोरखपुर,संवाददाता। सहजनवां नगर पंचायत के एक वार्ड निवासी 25 वर्षीय युवती एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। स्कूल आने जाने के दौरान उसको एक आटो चालक से प्रेम हो गया।

बात शादी तक पहुंच गई। आटो चालक शादी का झांसा देकर शिक्षिका के साथ शारीरिक शोषण करता रहा। आटो चालक ने बाद में शिक्षिका से शादी करने से इनकार कर दिया। शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और एससीएसटी धाराओं में केस दर्ज किया। मामले की जांच सीओ गीडा कर रहे हैं।

शिक्षिका को अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस बुला रही है,नोटिस भी दी गई है लेकिन वह अभी बयान देने नहीं आ रही है।

उसे उम्मीद है कि पुलिस की कार्रवाई के डर से उसका प्रेमी उससे शादी कर लेगा लेकिन उसके परिवारीजनों ने शादी से इंकार कर दिया जिसके बाद उसने अपने पास रखी दर्द निवारक दवा खाकर जान देने की कोशिश की। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। शिक्षिका की हालत नाजुक बताई जा रही है।

घर के बाहर सो रहे किशोर को मारी गोली,मौत

बताया जा रहा है कि हमलावर संतोष यादव के पिता को समझकर उस पर गोली चलाए। उसके पिता ने गांव में पोखरा खोदवाने के नाम पर किए गए कथित गोलमाल की शिकायत किया था।

इलाज के दौरान मृत किशोर की फाइल फोटो और गांव में जुटी भीड़

बस्ती,संवाददाता। थाना क्षेत्र के पेठिया लश्करी ग्राम पंचायत के नियामतपुर गांव में बीती रात प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर घर के बाहर सो रहे चारपाई पर सो रहे सत्रह वर्षीय किशोर को गोली मारी दिया। जिससे किशोर गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 दुबौलिया पुलिस पहुंची वहीं परिजन घायल को मेडिकल कॉलेज अयोध्या ले गये जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया।

इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई। दुबौलिया थाना क्षेत्र पेठिया लश्करी ग्राम पंचायत के नियामतपुर गांव निवासी संतोष यादव उर्फ जमालू यादव का सत्रह वर्षीय पुत्र अशोक यादव के घर बाहर के बाहर चारपाई पर सोया था। रात करीब ग्यारह बजे अचानक से गोली की आवाज सुन कर परिजन बाहर आये तो देखा की अशोक के सर में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया है। अंधेरे का फायदा उठा कर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 और दुबौलिया थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह मौके पर पहुंचे, अशोक यादव के परिजनो का आरोप है मौजूदा ग्राम प्रधान राम उजागिर यादव द्वारा कराए गये कार्यो की शिकायत लोकायुक्त के यहां किया गया था। जिसकी जांच चल रही है।

उसी रंजिश को लेकर प्रधान प्रतिनिधि संतोष यादव उर्फ बब्बन यादव, ग्राम प्रधान राम उजागिर यादव सहित कुछ अन्य लोग बीती रात ग्यारह बजे शिकायत कर्ता संतोष यादव उर्फ जमालू को जान कर बाहर चारपाई पर सो रहे उसके बेटे 17, वर्षीय किशोर अशोक यादव जो हाईस्कूल का छात्र है के सर में गोली मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, रात में क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने घटना स्थल का दौरा किया। वही गांव में घटना को लेकर तनाव है। मौके पीड़ित के घर दो पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात हैं। वही दुबौलिया पुलिस ने आधा दर्जन लोगों से घटना को लेकर पूछताछ में जुटी है।

बुआ के घर से शुरू हुई प्रेम कहानी...

फिर आया ये नया मोड़– प्रेमी संग 4 के खिलाफ केस दर्ज

महाराजगंज,संवाददाता। जानकारी के अनुसार भिटौली थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला युवक श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने बुआ के घर आता जाता रहता था। इस दौरान उसने बुआ के घर के बगल में रहने वाली एक युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। 19 वर्षीया युवती बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बीए की छात्रा को उसका प्रेमी बहला–फुसलाकर अपने साथ लेकर फरार हो गया। उसे भगाने में आरोपी युवक के माता–पिता व बुआ का भी हाथ है। युवती के पिता ने इसकी सूचना थाने में दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार भिटौली थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला युवक श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने बुआ के घर आता जाता रहता था। इस दौरान उसने बुआ के घर के बगल में रहने वाली एक युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। 19 वर्षीया युवती बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। कालेज आते जाते समय दोनों एक–दूसरे से मिलने जुलने लगे। दोनों चोरी छिपे मोबाइल पर बात करते थे। युवती के पिता के अनुसार 23 जून की रात लगभग एक बजे पुत्री बिना कुछ बताए कहीं चली गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चल सका।

कुछ देर बाद जानकारी हुई कि बेटी को भिटौली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर देऊरवा, मंदिर टोला निवासी सूरज पासवान बहला–फुसलाकर लेकर फरार हो गया है।

घर के बगल में ही आरोपी युवक के बुआ का घर है। वहीं आने जाने के दौरान वह मेरी बेटी से बातचीत करने लगा। उसे भगाने में आरोपी युवक के माता–पिता और बुआ का भी हाथ है।

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। बुधवार को प्रदेश के 22 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद जताई जा रही है। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग की ओर से बुधवार को दक्षिणी यूपी के सोनभद्र, प्रयागराज मिर्जापुर और बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर, महोबा समेत कुल नौ जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर समेत 13 अन्य जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट है। साथ ही 36 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मंगलवार को प्रदेश में सर्वाधिक लखीमपुर खीरी में 212 मिलीमीटर तो वहीं बाराबंकी में 165 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इस समय ट्रफ लाइन कानपुर के ऊपर से गुजर रही है। बुधवार को बुंदेलखंड, दक्षिणी यूपी और विंध्य क्षेत्र में भारी बारिश के संकेत हैं।

यहां है गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, आगरा, इटावा, औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्रों में।

हिमाचल प्रदेश में सोमवार रात 17 जगह बादल फटे हैं। इसमें मंडी जिले में 15 और कुल्लू और किन्नौर जिले में एक–एक जगह बादल फटा है। मंडी जिले में बारिश, बादल फटने और ब्यास नदी व नालों के रौद्र रूप से भारी तबाही मची है। मंडी में पांच समेत पूरे प्रदेश में 7 लोगों की जान चली गई है। 16 लोग अभी लापता हैं। छह लोग घायल भी हुए हैं। 332 लोगों को जगह–जगह से रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई गई है। अकेले मंडी जिले में 24 घर और 12 गोशालाएं जमींदोज हो गई हैं। 30 पशुओं की मौत हो गई है। कुकलाह के समीप पटीकरी प्रोजेक्ट बह गया है। एक पुल ध्वस्त हो गया है।

10 करोड़ के आईटीसी घोटाले में राज्य कर विभाग के डिप्टी व असिस्टेंट कमिश्नर निलंबित

लखनऊ,संवाददाता। आईटीसी घोटाले में राज्य कर विभाग के डिप्टी व असिस्टेंट कमिश्नर को निलंबित कर दिया गया है। फर्जी होने की पुष्टि के बाद भी फर्म ने ले लिया इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया जिसमें दोनों अफसरों पर मिलीभगत का आरोप है। फर्जी कंपनी बनाकर 10.76 करोड़ रुपये का बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने के मामले में शासन ने राज्य कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर मनीष कुमार और असिस्टेंट कमिश्नर रितेश कुमार बरनवाल को निलंबित कर दिया। दोनों अधिकारियों पर इस मामले में फर्म के साथ मिलीभगत का आरोप है।

रायबरेली में इस वर्ष जनवरी में राजधानी इंटरप्राइजेज नाम से कंपनी का पंजीयन कराया गया था। विभाग की टीम ने 15 फरवरी को जांच की तो वहां कोई नहीं मिला। फर्जीवाड़े की आशंका के बाद 24 फरवरी को राजधानी इंटरप्राइजेज का पंजीयन निलंबित कर दिया गया। इसके बाद भी फर्म ने फर्जीवाड़ा जारी रखा और बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) जनरेट करते हुए दिल्ली की शिव इंटरप्राइजेज को 57.35 करोड़ की सप्लाई दिखाकर 10.76 करोड़ रुपये की आईटीसी ट्रांसफर करा ली।

जांच में बिना माल की आपूर्ति किए ही फर्जी आईटीसी की पुष्टि हो गई। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि फर्म ने पंजीयन के लिए फर्जी बिजली बिल लगाया था। इसके बाद सहायक आयुक्त रितेश बरनवाल ने मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की जांच शासन स्तर से भी की गई।

जांच में डिप्टी कमिश्नर मनीष कुमार और असिस्टेंट कमिश्नर रितेश बरनवाल की फर्म के साथ मिलीभगत का खुलासा हुआ। इसके बाद मंगलवार को दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। वहीं आगे की जांच के लिए अपर आयुक्त राज्य कर सैमुअल पाल एन को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी में खपाया जा रहा चीन का सोना

हर महीने कमा रहे 15 से 20 करोड़

लखनऊ,संवाददाता। सोने के अवैध कारोबार से हर महीने 15 से 20 करोड़ की कमाई की जा रही है। इससे सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व का नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि तस्करी के सोने की शुद्धता 99.9 फीसदी होती है। उत्तर प्रदेश से लगते नेपाल बॉर्डर से हो रही सोने की तस्करी को लखनऊ के साथ ही गोरखपुर, वाराणसी में खपाया जा रहा है। लग्जरी बसों और अवैध ट्रेवलर से तस्कर इन्हें तय अड्डों पर पहुंचाकर हर माह करीब 15 से 20 करोड़ की कमाई कर रहे हैं।

जून में बरामद 20 करोड़ के अवैध सोने की खेप की कड़ी मुंबई, आगरा और पंजाब तक भी जुड़ी। यहां की मंडी भी चीन के सोने से चमक रही है। इस पूरे खेल में टैक्स के रूप में सरकार को बड़ी चपत लगाई जा रही है, लेकिन यहां कार्रवाई के नाम पर बस मौन है।

ये देखें तीन मामले

केस एक: मथुरा निवासी प्रमोद से एक किलो सोने की छड़ बरामद हुई थी, जिसे वह सिद्धार्थनगर से लेकर जा रहा था। यह सोना नेपाल से सिद्धार्थनगर पहुंचा था। इसी वर्ष वाराणसी निवासी संजय से बड़ी मात्रा में सोना बरामद हुआ, जिसे वह बहराइच के रुपईडीहा से लेकर जा रहा था। पश्चिम बंगाल के मेदनीपुर निवासी 30 वर्षीय लालू महीश को डीआरआई ने सोने के साथ बीते वर्ष गिरफ्तार किया था। यह सोना उसे लखनऊ के सराय माली खां चौक पर देना था।

यह तो बस उदाहरण है

डीआरआई ने 10 मई 2025 को मुंबई निवासी हितेश, राजेश कुमार और विजय कुमार के पास से 18 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया। तीनों बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन से ट्रॉली बैग में कपड़ों के अंदर सोना छिपाकर ले जा रहे थे। यह सोना हांगकांग से नेपाल पहुंचा और फिर वहां से नेपाल होते हुए बिहार लाया गया। मुंबई में इसे पिघलाकर राजस्थान के कोटा में आभूषण तैयार किया जाना था। इसके बाद उसे पंजाब, हिमाचल व लखनऊ के अलग–अलग व्यापारियों को बेचना था।

एक किलो सोने में करीब 14.48 लाख का मुनाफा

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार ट्रेन पर सख्ती के बाद तस्करों ने अब सड़क मार्ग को अपनाया है। चीन से सोना पहले नेपाल और फिर वहां से महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच व श्रावस्ती के रास्ते पर्यटक परमिट के नाम पर चलने वाली अवैध लग्जरी बसों और ट्रेवलर से भारत में दाखिल हो रहा है। सीमावर्ती जिलों से पंजाब, चंडीगढ़, गुजरात, राजस्थान, हैदराबाद व गोवा के लिए चलने वाले अवैध वाहनों को तस्करों ने माध्यम बना लिया है। इस रूट से तस्करों को एक किलो सोना में करीब 14.48 लाख का मुनाफा हो रहा है।

आंकड़ों में हाल

– राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अनुसार भारत में वित्तीय वर्ष 2024 में 4,869.6 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया गया। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार नेपाल से हर साल करीब 10 टन सोने की तस्करी भारत में की जाती है।

– तस्करी के सोने की शुद्धता 99.9 फीसदी होती है। इसकी बाजार में शुद्धता उच्चतम स्तर पर मानी जाती है।

खाना खिलाने के बाद बिल के रुपये मांगे तो रेस्टोरेंट में लगा दी आग, कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

लखनऊ,संवाददाता। गोमतीनगर विस्तार में दरबार रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद बिल मांगने पर नशे में धुत दबंगों ने विवाद किया और रेस्टोरेंट बंद होने के बाद तड़के उस पर डीजल डालकर आग लगा दी। कर्मचारी किसी तरह जान बचाकर भागे। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर–चार में खाने के बिल के रुपये मांगने पर दबंगों ने रेस्टोरेंट में आग लगा दी।

इसके मालिक कन्नौज के ठठिया निवासी अभि यादव ने गोमतीनगर विस्तार थाने में संपत्ति को आग से नुकसान पहुंचाने की धारा में एफआईआर दर्ज कराई।

अभि यादव के मुताबिक 29 जून की रात करीब एक बजे एसयूवी से कुछ लोग नशे में उनके रेस्टोरेंट 'दरबार' पहुंचे। खाना खाने के बाद स्टाफ ने बिल का भुगतान करने के लिए कहा तो विवाद करने लगे। इस पर अभि यादव ने समझाया, पर युवक रेस्टोरेंट को बंद कराने की धमकी देकर चले गए।

अभि ने बताया कि इसके बाद कर्मचारियों ने होटल बंद किया और उसी में सो गए। सोमवार तड़के 4:30 बजे एक कर्मचारी की आंख खुली तो देखा कि उस पर डीजल जैसा कुछ पड़ा हुआ है और रेस्टोरेंट से आग की लपटें निकल रही थीं। आनन–फानन उसने अन्य कर्मचारियों को जगाया और सभी ने भागकर जान बचाई। अभि यादव ने बताया कि एक कर्मचारी ने देखा कि एसयूवी और स्कूटी पर सवार होकर दबंग भाग रहे थे। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी के मुताबिक घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की फुटेज से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अब जमीन, मकान, दुकान खरीदना होगा और महंगा

लखनऊ,संवाददाता। प्रशासन ने 10 वर्ष के बाद नया डीएम सर्किल रेट जारी कर दिया है। इसके बाद से जमीन, मकान और दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। ये रेट एक अगस्त से लागू किए जाएंगे। राजधानी लखनऊ में अब जमीन, मकान, दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। 10 वर्ष बाद प्रस्तावित नया डीएम सर्किल रेट जारी किया गया है। आपत्तियां दूर करने के बाद एक अगस्त से इसको लागू किया जाएगा। नये डीएम सर्किल रेट में कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों पर 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। दुकान, कार्यालय व गोदाम पर औसतन 20 फीसदी की वृद्धि की गई है। इससे पहले 2015 में जब नया सर्किल कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी रेट तय किया गया था, उस दौरान कुछ ऐसे स्थान थे, जहां दुकान, कार्यालय व गोदाम के रेट कम थे। इसे विसंगति मानते हुए इस बार दूर किया गया है। ऐसी जगहों के रेट 40 फीसदी तक बढ़ाए गए हैं। अब इनमें समानता हो गई है।

ये अहम बदलाव: गैर कृषि भूखंड व भवन, जिसकी चौहद्दी में यदि कोई व्यवसायिक गतिविधि है, तो ऐसे भूखंडों व भवनों की दर निर्धारित करने के बाद 20 फीसदी मूल्य बढ़ाया जाएगा। इसका मतलब है कि यदि किसी गैर कृषि भूखंड के अगल–बगल दुकान, गोदाम आदि है तो खरीदार को 20 फीसदी अधिक मूल्य देना होगा। यदि कोई इसे बेचेगा तो भूमि का मूल्यांकन निर्धारित गैर कृषि दर से 50 फीसदी बढ़ाकर किया जाएगा। कृषि भूमि में फलदार व बिना फलदार वृक्ष की वर्तमान दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जो दर पहले थी, वही लागू रहेगी।

युवक का बेरहमी से कत्ल

शरीर पर ऐसे जख्म, जिनमें पड़ गए कीड़े...पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टर के भी कांप गए हाथ

आगरा,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में जिस युवक की लाश कुएं में मिली, वो आगरा का रहने वाला था। युवक का बेरहमी से कत्ल किया गया। आगरा में चार दिन पहले दूधिए के लड़के ने अपने दोस्तों के साथ घर से बुलाने के बाद सुल्तानगंज की पुलिया के युवक कुनाल (20) की हत्या कर दी। शव को हाथरस के सहपऊ में सूखे कुएं में फेंक दिया। युवक का शव कुएं से सड़ी गली हालत में मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार युवक के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया गया था। इस कारण उसकी मौत हुई थी। शरीर को कीड़ों ने खा लिया था। इस कारण अन्य चोटों के निशान स्पष्ट नहीं हो सके हैं। बताया गया है कि हत्यारोपियों ने उसके परिजन को फिरौती के लिए भी कॉल किया था। परिजन के सुराग देने पर पुलिस ने दोस्त और उसके प्रधान पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हत्यारोपी की निशानदेही पर सड़ा गला शव कुएं में मिला। देर शाम परिजन ने सुल्तानगंज की पुलिया पर शव रखकर जाम लगाकर हंगामा किया। उनका कहना था कि पुलिस ने चार दिन तक तलाश करने में ढिलाई बरती।

भारत–अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर उलझन खत्म

48 घंटों के भीतर होगा बड़ा समझौता! वाशिंगटन में बातचीत शुरू

ट्रंप ने 2 अप्रैल को लिबरेशन डे की घोषणा की थी
9 जुलाई के बाद अमेरिका लगाएगा रेसिप्रोकल टैरिफ

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अगले 48 घंटों में अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इस डील को लेकर दोनों देशों के बीच वाशिंगटन में बातचीत का दौर जारी है। भारत के व्यापार प्रतिनिधि समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेदों को दूर करने के लिए अभी कुछ और दिन वाशिंगटन में रहेंगे। 9 जुलाई से पहले दोनों देश ट्रेड डील करना चाहते हैं, क्योंकि इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति भारत से अमेरिका आने वाले सामानों पर हाई टैरिफ लगाना शुरू कर देंगे।

किस व्यापार समझौते पर बन सकती है बात?

एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से कहा कि अमेरिका भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच के लिए दबाव डाल रहा है। हालांकि, ग्रामीण आजीविका और खाद्य सुरक्षा चिंताओं के कारण नई दिल्ली के लिए यह क्षेत्र लंबे समय से रेड लाइन बना हुआ है। भारत के लिए इस पर समझौता करना बेहद मुश्किल है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट छापी है कि भारत के व्यापार प्रतिनिधि प्रमुख कृषि और डेयरी मुद्दों पर समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में उगाए गए जेनेटकली मॉडिफाइड या हाइब्रिड मक्का, सोयाबीन, चावल और गेहूं पर भारत के अंदर टैरिफ कम करना अस्वीकार्य है।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अगले 48 घंटों में अंतिम रूप दिया जा सकता है। वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। सूत्रों के अनुसार कुछ मतभेदों को दूर करने के लिए भारतीय व्यापार प्रतिनिधि वाशिंगटन में ही रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा टैरिफ लगाने से पहले 9 जुलाई से पहले ट्रेड डील होने की संभावना है।

ट्रंप ने टैरिफ का किया था एलान

बता दें, इसी साल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'लिबरेश डे' करार देते हुए तमाम देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने अमेरिका में आने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, ट्रंप ने फिर व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए समय निकालने दिया और टैरिफ को अस्थायी रूप से 10 तक कम कर दिया गया था। इस बीच भारत और अमेरिका के बीच बहुत जल्द व्यापार समझौता होगा, इसे लेकर ट्रंप ने भी बात कही थी।

भारत में अमेरिकी कंपनियों को कैसे मिलेगी मदद?

उन्होंने एअरफोर्स वन पर रिपोर्टरों से बात करते हुए कहा था कि वह भारत के साथ एक समझौते पर पहुंच सकते हैं जो दोनों देशों के लिए टैरिफ में कटौती करेगा और अमेरिकी कंपनियों को भारत के 1.4 बिलियन उपभोक्ताओं के बाजार में कंपीट करने में मदद करेगा।

'भारत आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा

अमेरिका में अश्वपरेशन सिन्दूर पर बोले जयशंकर

वॉशिंगटन,एजेंसी । क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने अमेरिका गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सात मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य यह है कि अगर आतंकवादी हमले होते हैं, तो हम अपराधियों, समर्थकों, वित्तपोषकों और समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। यह संदेश बहुत स्पष्टता के साथ दिया गया था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत के रुख को एक बार फिर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को बता दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि क्वाड और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का 25 अप्रैल को जारी बयान हमारे लिए जो महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद के अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि यह बयान हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमें दुनिया को बताना होगा कि हमने क्या किया? सात मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य यह है कि अगर आतंकवादी हमले होते हैं, तो हम अपराधियों, समर्थकों, वित्तपोषकों और समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। यह संदेश बहुत स्पष्टता के साथ दिया गया था।

जयशंकर ने कहा कि हमने क्वाड के साथ–साथ विश्व स्तर पर अपने समकक्षों के साथ आतंकवाद की प्रकृति को साझा किया। भारत इसका कई दशकों से सामना कर रहा है। हम आज इसका बहुत दृढ़ता से जवाब देने के लिए दृढ़ हैं और हमें अपना बचाव करने का अधिकार है। अमेरिकी विदेश मंत्री से मुलाकात को लेकर जयशंकर ने कहा कि रुबियो के साथ द्विपक्षीय बैठक अच्छी रही। दोनों नेताओं ने अनिवार्य रूप से पिछले छह महीनों की चर्चा का जायजा लिया और आगे की राह पर विचार किया। इसमें व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और गतिशीलता पर चर्चा शामिल थी।

मैंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ऊर्जा सचिव क्रिस राइट के साथ अलग–अलग बैठकें कीं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों से आयात पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अमेरिकी योजना पर जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस में होने वाला कोई भी घटनाक्रम भारत के लिए दिलचस्पी का विषय है। अगर यह हमारे हित को प्रभावित करता है या हमारे हित को प्रभावित कर सकता है भारतीय दूतावास और अधिकारी इस मुद्दे पर अमेरिकी सीनेटर ग्राहम के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ऊर्जा सुरक्षा में हमारी चिंताओं और हमारे हितों से उन्हें अवगत करा दिया गया है। इसलिए जब हम उस पुल पर पहुंचेंगे, तो हमें उसे पार करना होगा।

क्वाड देशों ने की पहलगाम हमले की निन्दा

इससे पहले क्वाड देशों यानी अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया। इसमें विदेश मंत्री जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापानी विदेश मंत्री ताकेशी इवाया शामिल रहे।

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा, गलत दिशा से आ रही कैंटर ने बाइक को रौंदा

चार बच्चों समेत पांच की मौत

हापुड़,संवाददाता । हापुड़ जिले में बुलंदशहर रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक को रौंद दिया। एक बाइक पर चार बच्चों समेत पांच लोग सवार थे। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है।

गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पांच लोगों की मौत से परिवारों में कोहराम मच गया।

हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास बुधवार रात साढ़े दस बजे हुए भीषण हादसे में चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतक एक ही बाइक पर सवार थे। मृतकों में पिता और दो बेटियां भी शामिल हैं।

हापुड़ के मोहल्ला रफीकनगर निवासी राजमिस्त्री दानिश (36) अपनी दो बेटियों माहिरा (6), समायरा (5) के अलावा भाई सरताज के बेटे समर (8) और दोस्त रफीकनगर निवासी वकील के बेटे माहिम (8) को लेकर गुलावठी के गांव मिठ्ठेपुर गए थे।

वहां पांचों ने बाग में स्थित स्विमिंगपूल में स्नान किया। इसके बाद रात साढ़े दस बजे के करीब बाइक में चारों बच्चों को बैठाकर दानिश वापस गांव आ रहे थे। हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास एक रांग साइड से आए कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार चार बच्चों समेत पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। ट्रक का चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले कैंटर को जब्त कर लिया गया है।

सीओ अनीता सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी को अस्पताल ले जाया गया, यहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कैंटर को जब्त कर लिया है, साथ ही आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तबाही का मंजर पूरा गांव बहा

शिमला,एजेंसी। हिमाचल में कुदरत का कहर टूटा है। बादल फटने की घटनाओं से हुई तबाही की तस्वीरें धीरे–धीरे सामने आ रही हैं। मंडी के धर्मपुर में स्थाठी गांव जल सैलाब में बह गया। 61 ग्रामीण बमुश्किल बचाए गए। बादल फटने के बाद से लापता लोगों में से तीन और के शव मिले हैं। अभी 34 और लोगों की तलाश है। ज्यादातर सराज क्षेत्र के हैं। आपदा प्रभावित कई गांवों तक प्रशासन पहुंच नहीं सका है। करसोग, थुनाग और गोहर में लापता हुए लोगों का अभी कोई सुराग नहीं मिला है। बादल फटने व भूस्खलन से थुनाग और जंजैहली उपमंडल में सड़कें ध्वस्त हो गई हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने मंडी जिले के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद रेस्क्यू और आपदा राहत के लिए वायुसेना की मदद मांगी है। कई क्षेत्रों में एनडीआरएफ–एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हैं। दो शव कांगड़ा कांगड़ा और एक हमीरपुर में मिला है। जोगिंद्रनगर और देहरा में मिले शवों के भी बाढ़ पीड़ित होने की शिनाख्त हुई है। सोमवार रात को बादल फटने और भारी बारिश–भूस्खलन से प्रदेश में 245 सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं। मंडी जिले के कई इलाके कट गए हैं। मंडी में 16 लोगों समेत प्रदेश में 18 लोगों की मौत हुई है। एनडीआरएफ अभी तक थुनाग बाजार तक पैदल पहुंची है। जिला प्रशासन थुनाग के आगे पखरैर तक नहीं पहुंच पाया है। पखरैर से करीब एक दर्जन से अधिक लोग लापता चल रहे हैं।

पत्नी बोली– बच्चों के सामने अभद्रता करता था आरोपी... महिला आयोग में शिकायत से था नाराज

लखनऊ,संवाददाता। आलमबाग के गढ़ी कनौरा में एक युवक ने अपने सास–ससुर को चाकू से गोदकर मार डाला। पत्नी ने उसके बारे में कई खुलासे किए हैं। हत्याकांड से सनसनी फैल गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आलमबाग के गढ़ी कनौरा में बुधवार देर रात हुए डबल मर्डर से राजधानी लखनऊ थर्रा उठी। दामाद ने अपने सास–ससुर को चाकू से गोदकर मार डाला। आरोपी जगदीप सिंह की पत्नी पूनम ने बताया कि पति से शादी के बाद से ही विवाद चल रहा था। बुधवार को आरोपी ससुराल आया था। पत्नी से बात करने की कोशिश की पर आरोपी की हरकतों से परेशान होकर पूनम ने उससे बात करने से मना कर दिया।

दोनों की झड़प होने लगी और जगदीप ने पूनम की पिटाई कर दी। इस दौरान ससुर अनंत राम और सास आशा देवी ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वो आपे से बाहर हो गया और चाकू से बुजुर्ग दंपती पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।शोर सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे। लोगों ने हिम्मत जुटाकर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गंभीर रूप से घायल दंपती को अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से चाकू बरामद कर लिया है। पूनम ने बताया कि शादी के बाद कुछ साल तक सब ठीक था। इधर कुछ महीने से जगदीप उन्हें प्रताड़ित करने लगा था। अक्सर शराब पीकर आता और मारपीट करता। बच्चों के सामने भी अभद्रता करने लगा था। परेशान होकर पूनम ने जगदीप के खिलाफ महिला आयोग में शिकायत की थी।

रणबीर कपूर और सई पल्लवी की मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण का पहला लुक पोस्टर रिलीज हो गया है. हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है. फर्स्ट लुक पोस्टर में रणबीर कपूर को राम अवतार में देखा जा सकता है. वो धनुष लिए योद्धा के रूप में दिख रहे हैं. बैकग्राउंड में सूरज और बादल देखे जा सकते हैं.

रामायण का टीजर कैसा है?

फर्स्ट लुक टीजर वीडियो में रणबीर कपूर और यश का लुक देखने को मिला है. फर्स्ट लुक वीडियो में राम और रावण की लड़ाई को दिखाया गया है. रणबीर को जंगल में पेड़ पर चढ़कर धनुष चलाते हुए देखा जा सकता है. सोशल मीडिया पर रणबीर और यश को फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं. रावण के रोल में यश को देख फैंस गदगद हो गए हैं. मालूम हो कि रणबीर कपूर फिल्म में राम के रोल में हैं. वहीं सई पल्लवी फिल्म में मां सीता के रोल में हैं. 2026 में फिल्म का पहला पार्ट रिलीज किया जाएगा. वहीं दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा।

रामायण की स्टार कास्ट

बता दें कि इस फिल्म में रणबीर कपूर और सई पल्लवी के अलावा सनी देओल, यश, रवि दुबे जैसे स्टार्स हैं. सनी देओल हनुमान के किरदार में हैं. नहीं यश रावण के रोल में हैं. रवि दुबे लक्ष्मण बने हैं. रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के रोल में हैं. काजल अग्रवाल मंदोदरी बनी हैं. लारा दत्ता

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस परणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी बहन प्रियंका चोपड़ा को सपोर्ट करने के लिए लंदन गई हुई हैं. लंदन में प्रियंका की फिल्म हेड ऑफ स्टेट की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई है. ये फिल्म 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है. फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान परिणीति ने पति राघव चड्ढा के बारे में बात की. साथ ही इस बात का खुलासा किया कि राघव को कई फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं. साथ ही बताया कि वो फिल्मों में आएंगे या नहीं.

क्या हीरो बनेंगे राघव चड्ढा?

परिणीति चोपड़ा ने फिल्म की स्क्रीनिंग पर इंडिया टुडे से खास बातचीत की. परिणीति ने कहा– 'वो इतने गुड लुकिंग हैं कि लोग मुझसे मजाक में आकर कहते हैं कि सुनो, उन्हें फिल्मों में होना चाहिए.'

नहीं छोड़ेंगे राजनीति

परिणीति ने आगे कहा– 'लोग हमेशा ऐसे कहते हैं और हम स्माइल करते हैं. ये बहुत स्वीट है लेकिन वो जो कर रहे हैं वो ही करेंगे. उनका काम राजनीति है और वो हमेशा यही करेंगे. वो बहुत देशभक्त हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, इसलिए वो कहते हैं, 'तुम अपना काम करो और मैं अपना काम करूंगा, आप जानते हैं, यह बहुत, क्लियर है.'

रोज न्यूज देखती हैं परिणीति

परिणीति ने न्यूज और फिल्म देखने के बारे में बात की. उन्होंने कहा– 'राघव हमेशा जीतते हैं क्योंकि हम हर दिन न्यूज देखते हैं, और अब मैं न्यूज देखे बिना सो नहीं सकती. वो वास्तव में हमेशा मुझसे कहते है कि 'सुनो, मेरे पास इतना देखने का टाइम नहीं है, इसलिए आपको मुझे अच्छे स्टफ की सिफारिश करनी होगी. और वास्तव में, मैं भी ऐसी ही हूं. मैं भी ज्यादा कुछ नहीं देखती हूं. और मैं हर दिन बैठकर फिल्म नहीं देखती हूं. इसलिए मेरे लिए भी, मैं हमेशा लोगों से कहती हूं, सुनो, मुझे अच्छे स्टफ की सिफारिश करो, और मैं केवल वही देखूंगी।

मुम्बई। बिग बॉस टीवी का मोस्ट पॉपुलर और कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो है. इसके अब तक 18 सीजन आ चुके हैं और सभी खूब हिट रहे हैं. वही अब बिग बॉस 19 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हिट रियलिटी टीवी शो का नया सीजन अगस्त में प्रीमियर हो सकता है. इसी के साथ सलमान खान एक बार फिर शो को होस्ट करते नजर आएंगे. वहीं अब बिग बॉस के एक्सपेक्टेड कंटेस्टेंट की चर्चा भी शुरू हो गई है. इन सबके बीच कहा जा रहा है कि बिग बॉस के इतिहास में पहली बार एक ऐसा कंटेस्टेंट एंट्री कर रहा है जो इंसान नहीं है? सुनकर चौंक गए ना, चलिए जानते हैं आखिर ये है कौन?

बिग बॉस 19 में एआई रोबोट की होगी एंट्री?

दरअसल बिग बॉस 19 में यूएई की वायरल एआई डॉल हबूबू की एंट्री हो सकती है. इंडिया फ़ोरम की एक रिपोर्ट के मुताबिक यूएई की यह पहली इंटरेक्टिव एआई रोबोट डॉल बिग बॉस के घर में 17 प्रतियोगियों में से एक के रूप में एंट्री करेगी. हबूबू के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर लिखा है, "भारत में बिग बॉस रियलिटी टीवी डेब्यू के लिए तैयार!" हालांकि मेकर्स ने इसे लेकर कुछ भी अनाउंस नहीं किया है.

हबूबू कौन है?

हबूबू कोई साधारण रोबोट नहीं है. इसे यूएई में डिज़ाइन किया गया है और ये इसलिए खास है क्योंकि इसमें इंसान की तरह फीचर्स हैं.ये इमोशनल, इंटेलिजेंट तो है ही साथ ही ये हिंदी सहित सात भाषाओं में मीनिंगफुल बात कर सकती है.

इसलिए ये ऑनलाइन सेंसेशन बन गई है.

इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर कल्चरल मैनेजमेंट (आईएफसीएम) के मुताबिर हबूबू एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस है. ये इमोशंस पर रिएक्ट कर सकती है साथ ही घर के कामों में हेल्प कर सकती है इतना ही नहीं ये सोशल सेटिंग के मुताबिक ढल भी सकती है.

अब तक का सबसे मजेदार सीजन होगा बिग बॉस 19

अब ये देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक और कंटेस्टेंट हबूबू की बिग बॉस में एंट्री पर कैसा रिएक्शन देते हैं. बता दें कि बिग बॉस 19 का प्रीमियर अगस्त के मध्य से अंत तक होने की उम्मीद है, हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक कुछ भी ऑफिशियली कंफर्म नहीं किया गया है. लेकिन ऐसा लग रहा है कि यह सीज़न अब तक का सबसे शानदार सीज़न होने वाला है!

एफ1 की दीपिका ने की प्रशंसा

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट अभिनीत 'एफ 1' सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अब इस फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने हॉलीवुड एक्टर को बधाई दी है। ब्रैड पिट हॉलीवुड फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म 'एफ1' भारतीय सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। साथ ही फिल्म को अच्छी प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ने ब्रैड पिट की तारीफ की है और एक पोस्ट शेयर किया है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या बोलीं दीपिका पादुकोण?

ब्रैड पिट अभिनीत 'एफ 1' 27 जून को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह एक रेसिंग फिल्म है, जिसे स्पोर्ट्स प्रेमी पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्हें ब्रैड पिट की फिल्म की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने लिखा कि शानदार ब्रैट पिट, क्या फिल्म है। हालांकि, आपको बताते चलें कि ये पोस्ट दीपिका पादुकोण ने कुछ अलग अंदाज में किया है। एफ 1 फिल्म के बारे में

जोसेफ कोसिंस्की द्वारा निर्देशित 'एफ1' में ब्रैड पिट के साथ डैमसन इदरीस प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में मैक्स वर्स्टेपेन, फर्नांडो अलोंसो, लुईस हैमिल्टन, कार्लोस सैन्ज, एस्टेबन ओकन, जॉर्ज रसेल, लांस स्ट्रोल, लैंडो नॉरिस और चार्ल्स लेक्लर सहित कई रियल लाइफ के फॉर्मूला 1 सितारे इस फिल्म में कैमियो करते नजर आए हैं।

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने कई शानदार फिल्में दी हैं, जिनमें 'पद्मावत', 'बाजरीव मस्तानी' जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म में देखा जाएगा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण एक्शन अवतार में दिखेंगी, जिनके साथ अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

एशिया कप 5 से 21 सितंबर तक हो सकता है

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा, दो बार भिड़ सकते हैं भारत–पाकिस्तान, टूर्नामेंट में 6 टीमें शामिल होंगी

स्पोर्ट्स डेस्क। यह फोटो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत–पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की है। पाकिस्तान में हुए इस टूर्नामेंट में भारत के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल में खेले गए थे। एशिया कप 5 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 21 सितंबर को खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज और सुपर–4 फॉर्मेट के तहत एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का पहला मुकाबला 7 सितंबर को खेला जाएगा। अगर दोनों टीमें सुपर–4 में पहुंचती हैं, तो इनकी दूसरी टक्कर 14 सितंबर को हो सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

इससे पहले, एशिया कप की मेजबानी भारत के पास थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से ञ।म को टूर्नामेंट होस्ट करने को कहा गया है। 17 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 6 टीमें भाग लेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अगले 3 एशिया कप साइकल के बारे में भी बताया है। 2027 में पाकिस्तान में यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं 2029 में बांग्लादेश और 2031 में श्रीलंका इसे होस्ट करेगा।

मंजूरी दी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपनी–अपनी सरकारों से टूर्नामेंट खेलने की मंजूरी लगभग मिल चुकी है। टूर्नामेंट के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स ने प्रमोशनल पोस्टर भी जारी कर दिया है।

जानिए एशिया कप 2025 के बारे में

अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल इस हफ्ते फैसला ले सकती है। ।ब्ब अगले 2–3 दिन में टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर सकती है।

इस बार भारत को मेजबान देश बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट को न्यूट्रल वेन्यू (ञ।म) पर कराने की बात चल रही है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6–7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान के भारत आने की संभावना खत्म हो गई है। इसलिए ।ब्ब टूर्नामेंट को ञ।म में कराने पर विचार कर रही है। भारत ने 8 बार जीता एशिया कप एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

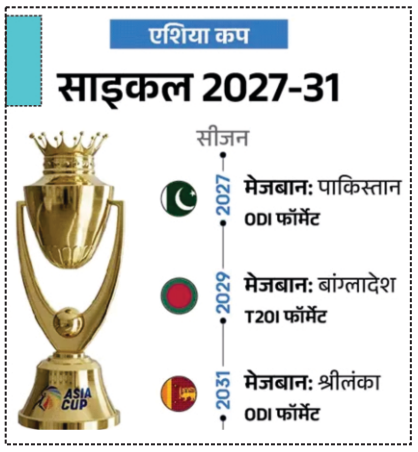

Q बतौर कप्तान उनकी पहली तीन पारी 147 रन, 8 रन और 114' रन की रही है। वही, कोहली की बतौर कप्तान पहली तीन पारी 115 रन, 141 रन और 147 रन की रही थी। प्रिंस के नाम से मशहूर गिल किंग कोहली के नक्शेकदम पर चल रहे हैं।

'इज्जत और जिल्लत देने वाला...' हसीन जहां के इस पोस्ट ने मचाया तहलका

भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनकी पत्नी हसीन जहां इन दिनों चर्चा में हैं।

एजबेस्टन में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं शुभमन

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में जारी है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट गंवाकर 310 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल 114 रन और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक नाबाद 99 रन की साझेदारी हो चुकी है। गिल ने इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा। यह उनका बतौर कप्तान दूसरा और टेस्ट में सातवां शतक रहा। उनका रिकॉर्ड इंग्लैंड में कुछ खास नहीं था, लेकिन इस दौरे पर जिम्मेदारी आने के बाद से उनमें गजब का बदलाव देखने को मिला है। वह एजबेस्टन के मैदान पर शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए आने के बाद से उन्होंने इस बैटिंग पोजिशन को किंग विराट कोहली की तरह अपना बना लिया है। इतना ही नहीं गिल इंग्लैंड में लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान भी बन गए हैं।

एजबेस्टन में शतक लगाने वाले भारतीयों में अब गिल का नाम भी जुड़ चुका है। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया था। सचिन और कोहली अब टेस्ट में नहीं खेलते हैं, जबकि पंत और जडेजा इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। सचिन ने 1996 में इस मैदान पर 122 रन की पारी खेली थी, जबकि विराट ने 2018 में यहां 149 रन बनाए थे। वहीं, 2022 में भारत की ओर से इस मैदान पर दो–दो शतक लगे थे। पंत ने 146 रन और जडेजा ने 104 रन की पारी खेली थी। हालांकि, इनमें से सिर्फ कोहली और गिल ने ही भारतीय टीम की कप्तानी संभालते हुए शतक लगाया है। बाकियों ने सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर शतक लगाया था। वहीं, गिल इंग्लैंड में लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान भी हैं। गिल ने एजबेस्टन से पहले लीड्स में 147 रन की पारी खेली थी। उनसे पहले साल 1990 में कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स टेस्ट में 121 रन की पारी खेली थी। इसके बाद मैनचेस्टर में खेले गए अगले टेस्ट में उन्होंने 179 रन बनाए थे।

प्रिंस के नाम से मशहूर गिल किंग कोहली के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। बतौर कप्तान उनकी पहली तीन पारी 147 रन, 8 रन और 114' रन की रही है। वहीं, कोहली की बतौर कप्तान पहली तीन पारी 115 रन, 141 रन और 147 रन की रही थी। दोनों के बीच काफी समानताएं देखने को मिल रही हैं। गिल ने बतौर कप्तान अपने पहले ही मैच (लीड्स में) की पहली पारी में शतक जड़ दिया। किंग कोहली ने भी 2014 में ऐसा किया था। उन्होंने तब पहली पारी में 115 रन बनाने के अलावा दूसरी पारी में भी 141 रन बनाए थे। गिल ने नंबर चार पर अपनी पहली ही पारी में शतक जड़ दिया। कोहली ने भी 2013 में ऐसा ही किया था। 2013 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले कोहली ने कभी नंबर चार पर बल्लेबाजी नहीं की थी। वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नंबर चार पर डेब्यू करते हुए कोहली ने अपनी पहली ही पारी में 119 रन बनाए थे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को मौके गंवाने का अफसोस

स्पोर्ट्स डेस्क। वोक्स ने पहले दिन खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'यह वास्तव में निराशाजनक था। जब आप टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होते हैं तो भावनाएं हावी हो जाती हैं। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने स्वीकार किया कि दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अंपायरों के कुछ फैसले भारत के पक्ष में जाने के बाद वह निराश हो गए थे। वोक्स अपनी शानदार लाइन और लेंथ के साथ मेजबान टीम के लिए सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए और उन्होंने पहले दिन 18 ओवर में 59 रन देकर दो विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी पर इंग्लैंड ने दो रिव्यू लिए जिन पर तीसरे अंपायर का फैसला भारत के पक्ष में गया। इस तेज गेंदबाज ने इसे निराशाजनक करार दिया। वोक्स ने पहले दिन खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'यह वास्तव में निराशाजनक था। जब आप टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होते हैं तो भावनाएं हावी हो जाती हैं। अगर ये फैसले हमारे पक्ष में होते तो दिन पूरी तरह से अलग होता, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और हम इन चीजों को आत्मसात करके आगे बढ़ते हैं।

वैभव के तूफान में उड़ा इंग्लैंड

छक्कों की बारिश की, शतक से चूके पर बना दिया महा–रिकार्ड

दिल्ली। एक तरफ जहां एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच जारी है, वहीं दूसरी तरफ बुधवार को भारतीय अंडर–19 और इंग्लैंड अंडर–19 टीम के बीच वनडे मुकाबला भी खेला गया। हालांकि, इंग्लैंड की टीम पर भारत के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कहर बनकर टूटे। उन्होंने एक ऐसी पारी खेली, जिसका इंग्लिश टीम के पास कोई जवाब नहीं था। वह शतक से चूक गए, लेकिन छक्कों की बारिश से उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंडर–19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए। आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2–1 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला पांच जुलाई को वॉर्सेस्टर में खेला जाएगा।

वैभव ने 31 गेंद में 86 रन बनाए

दरअसल, बारिश की वजह से मैच को 40–40 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 40 ओवर में छह विकेट पर 268 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वैभव ने 31 गेंद में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और नौ छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा। वैभव शतक से चूक गए। उन्हें एलेक्जेंडर वेड ने जोसेफ मूर्स के हाथों कैच कराया। हालांकि, नौ छक्के लगाते ही वैभव के नाम रिकॉर्ड जुड़ गया। अंडर–19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड वैभव से पहले राज बावा के नाम था।